Literacy for a Billion

Movie: Izzat
Year: 1968

Song: Yeh Dil Tum Bin Kahi
Lyricist: Sahir Ludhianvi

ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं
हम क्या करें
ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं
हम क्या करें
तस्स्वुर में कोई बसता नहीं
हम क्या करें
तुम्हीं कह दो अब ए जान-ए-वफ़ा
हम क्या करें
लुटे दिल में दिया जलता नहीं
हम क्या करें
तुम्हीं कह दो अब ए जान-ए-अदा
हम क्या करें
ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं
हम क्या करें
किसी के दिल में बस के दिल को
तड़पाना नहीं अच्छा
उम्मीदों के खिले गुलशन को
झुलसाना नहीं अच्छा
हमें तुम बिन कोई जचता नहीं
हम क्या करें
तुम्हीं कह दो अब ए जान-ए-वफ़ा
हम क्या करें
लुटे दिल में दिया जलता नहीं
हम क्या करें
मोहब्बत कर तो लें लेकिन
मोहब्बत रास आये भी

मोहब्बत कर तो लें लेकिन
मोहब्बत रास आये भी
दिलों को बोझ लगते हैं
कभी जुल्फों के साये भी
हजारों गम हैं इस दुनिया में
अपने भी पराये भी
मोहब्बत ही का गम तन्हा नहीं
हम क्या करें
तुम्हीं कह दो अब ए जान-ए-अदा
हम क्या करें
ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं
हम क्या करें
बुझा दो आग दिल की या
इसे खुलकर हवा दे दो
बुझा दो आग दिल की या
इसे खुलकर हवा दे दो
जो इसका मोल दे पाये
उसे अपनी वफ़ा दे दो
तुम्हारे दिल में क्या है बस
हमें इतना पता दे दो
के अब तन्हा सफर कटता नहीं
हम क्या करें
लुटे दिल में दिया जलता नहीं
हम क्या करें
ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं
हम क्या करें

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.